IAS PCS

PARAMOUNT IAS Mission

A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE



उत्तर प्रदेश का इतिहास

HO: 872, GF (Opp. Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000333

Subscribe us on www.paramountias.com to get Daily Current Affairs and UPSC Notification Follow us on: www.facebook.com/paramountmissionias/

IAS PCS

FOREVER ABOVE
ESTD 2005

PARAMOUNT Mission IAS

A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE

IAS-2019

सामान्य अध्ययन

फाउन्डेशन बैच

निःशुल्क कार्यशाला के साथ बैच प्रारम्भ



9 जुलाई

प्रातः 10 बजे

श्रद्धांजलि स्कीम के तहत सभी छात्रों के लिए फीस में छूट

79000-00111

उत्तर प्रदेश का इतिहास एक नजर में.....

परिचय

- भारत की स्वतंत्रता से पूर्व उत्तर प्रदेश का पुराना नाम: **संयुक्त प्रांत (1 अप्रैल 1937)**
- **1950 में संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश रख दिया गया था।**
- उत्तर प्रदेश दिवस : **24 जनवरी**
- शहर की राजधानी: **लखनऊ**
- मुख्यमंत्री: **योगी आदित्यनाथ**
- उपमुख्यमंत्री: **केशव प्रसाद मौर्य और डॉ दिनेश शर्मा**
- राज्यपाल: **राम नाईक**
- उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष- **हृदय नारायण दीक्षित**
- उच्च न्यायालय: **इलाहाबाद उच्च न्यायालय**
- अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं: **नेपाल**
- उत्तर प्रदेश में आधिकारिक भाषा: **हिंदी**
- उत्तर प्रदेश का राजकीय पशु: **बारहसिंघा हिरण**
- उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी: **सारस क्रेन**
- राजकीय फूल: **पलाश**
- उत्तर प्रदेश का राजकीय वृक्ष: **अशोक**
- क्षेत्रफल: **2,40,928 वर्ग किमी।**
- उत्तर प्रदेश कुल विधानसभा सीटें: **403 + 1 = 404** (403 निर्वाचित + 1 मनोनित एंग्लो इण्डियन)
- उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के कुल संख्या: **100**
- उत्तर प्रदेश में लोक सभा की सीटें: **80**
- उत्तर प्रदेश में राज्यभसभा की सीटें: **31**
- उत्तर प्रदेश में जिलों की संख्या: **75**
- उत्तर प्रदेश में तहसीलों की संख्या: **341**
- उत्तर प्रदेश में कुल नगरों की संख्या: **915**
- उत्तर प्रदेश में नगर निगम: **16**
- उत्तर प्रदेश में नगर पंचायत: **423**
- उत्तर प्रदेश में नगर पालिका: **193**
- उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायत : **10,968**
- उत्तर प्रदेश में क्षेत्र पंयायतें: **821**
- उत्तर प्रदेश में न्याय पंचायतें: **8,135**
- उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतें/संभाएं: **59,163**
- उत्तर प्रदेश में पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण: **कुल सीट का 1/3 (33%)**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला जिला: **लखीमपुर खीरी (7,680 वर्ग किमी.)**
- उत्तर प्रदेश में सबसे कम क्षेत्रफल दर वाला जिला: **हापुड़ (660 वर्ग किमी.)**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला: **गौतमबुद्ध नगर (80.12%)**
- उत्तर प्रदेश में सबसे कम साक्षरता दर वाला जिला: **श्रावस्ती (46.74%)**

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE

- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिलों: **इलाहाबाद** (12 सीटें)
- उत्तर प्रदेश में सबसे कम विधानसभा सीटों वाला जिलों: **श्रावस्ती/महोबा/चित्रकूट** (2+2 सीट)।
- जनसंख्या (जनगणना 2011 के अनुसार अस्थायी डाटा): **19,95,81,477**

(क) पुरुष (जनगणना 2011 के अनुसार): **10,45,96,415**

(ख) स्त्री (जनगणना 2011 के अनुसार) : **94,985,062**

- दसवर्षीय वृद्धि दर (2001-2011) (जनगणना 2011 के अनुसार): **20.09 प्रतिशत**
- लिंग अनुपात (जनगणना 2011 के अनुसार): **908 प्रति हजार**
- घनत्व (प्रति वर्ग किमी व्यक्ति) (जनगणना 2011 के अनुसार): **828 प्रति हजार**
- बाल जनसंख्या (0-6 वर्ष) (जनगणना 2011 के अनुसार): **29,728,235**
- बाल लिंग अनुपात (0-6 वर्ष) (जनगणना 2011 के अनुसार): **899 प्रति हजार**
- कुल साक्षरता दर- **69.72 प्रतिशत**

(क) पुरुष साक्षरता: **79.24 प्रतिशत**

(ख) महिला साक्षरता: **59.26 प्रतिशत**

- उत्तर प्रदेश में कुल 75 जिलें हैं। जबकि **जनगणना में 71 जिलें** हैं।
- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश से अलग हुआ: **09 नवंबर 2000**
- उत्तर प्रदेश के पड़ोसी राज्य: **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड**
- **इन 9 अन्य राज्यों के साथ सीमा लगी है**- उत्तर में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान, दक्षिण में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, पूर्व में बिहार और झारखंड।

Follow us on : Paramount Mission IAS

- राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शामिल करने हेतु प्रस्तावित जिले-4 **(सहारनपुर, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस)।**
- उत्तर प्रदेश में मतदाओं की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा व सबसे छोटा संसदीय क्षेत्र: **सबसे बड़ा- गाजियाबाद, सबसे छोटा- बागवत।**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला: **इलाहाबाद**
- उत्तर प्रदेश में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला: **महोबा**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला: **गाजियाबाद**
- उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक सिटी की स्थापना कहा की गई: **नोएडा**
- उत्तर प्रदेश के प्रथम फिल्म सेंटर का शिलान्यास कहाँ किया गया: **ओखला औद्योगिक क्षेत्र**
- उत्तर प्रदेश में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला जिला: **ललितपुर**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला: **जौनपुर**
- उत्तर प्रदेश में न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला: **गौतमबुद्ध नगर**
- **उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसलें:** धान, गेहूँ, ज्वार, जौ, बाजरा, मक्का, उर्द, मूँग, अरहर, चना, गन्ना आदि।
- **उत्तर प्रदेश के प्रमुख फल:** आम, अमरूद, आंवला, कटहल, खरबूज, तरबूज
- **उत्तर प्रदेश के प्रमुख खनिज:** चूना, पत्थर, डोलोमाइट, सिलिका सैन्ड, पाइरोफिलाइट, डायस्पोर, बाक्साइट, राक फास्फेट, मैगनेसाइड, जिप्सम, नान-प्लास्टिक
- **उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योग:** सीमेंट, वनस्पति तेल, सूती कपड़ा, सूती धागा, चूड़ी व काँच उद्योग, चीनी, जूट एवं कालीन।
- उत्तर प्रदेश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय: **इलाहाबाद**

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD 2005

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

Follow us on : Paramount Mission IAS

- उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या: **4**
- उत्तर प्रदेश में अनौपचारिक शिक्षा योजना कब आरम्भ: **1975**
- उत्तर प्रदेश में कृषि पर आधारित जनसंख्या: **78%**
- उत्तर प्रदेश में प्रथम बार राष्ट्रपति शासन: **25 फरवरी 1968 से, 25 फरवरी 1969 तक।**
- उत्तर प्रदेश में अब तक कुल राष्ट्रपति शासन: **10 बार**
- उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा नगर: **कानपुर**
- उत्तर प्रदेश में परमाणु विद्युत केन्द्र कहां स्थापित है? -**नरौरा**
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख लोक नृत्य: **रासलीला, नौटंकी, थाली, पैता, झोरा, आदि**
- उत्तर प्रदेश का न्यायिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र: **लखनऊ**
- उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदीयाँ: **गंगा, यमुना, गंडक, गोमती, सरयू आदि**
- उत्तर प्रदेश के पड़ोसी राज्य: **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड**
- उत्तर प्रदेश का प्रमुख कृषि उत्पांदन: **आलू, तिलहन, गन्ना, गेहूँ, चावल, कपास, चना, मटर, तम्बाकू**
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थतल: **वाराणसी, इलाहाबाद, अयोध्या, मथुरा, आगरा**
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योग: **चीनी, चूड़ी, चमड़ा, साईकिल**
- उत्तर प्रदेश की जनसँख्या- **199,581,477** (जनगणना 2011 के अनुसार)
  - स्त्री: 94,985,062
  - पुरुष: 104,596,415
- उत्तर प्रदेश में साक्षरता-69.72%
  - स्त्री-59.30%
  - पुरुष-79.20%
- उत्तर प्रदेश का भारत के राज्यों में साक्षरता दर में **22 वां** स्थान है।
- उत्तर प्रदेश में स्थित इलाहाबाद उच्च न्यायलय: **एशिया का सबसे बड़ा उच्च न्यायलय है-**
- उत्तर प्रदेश का एक मात्र राष्ट्रीय उधान है- लखीमपुर खीरी स्थित **दुधवा नेशनल पार्क** यह 490 वर्ग किमी में फैला हुआ है।
- उत्तर प्रदेश का वर्तमान स्वरूप किस दिन अस्तित्व में आया- **9 नवम्बर**, 2001
- उत्तर प्रदेश का राज्याध्यक्ष राज्यपाल कहलाता है, इसकी नियुक्ति कौन करता है? -**राष्ट्रपति**
- उत्तर प्रदेश का प्रमुख लोकगीत कौन-सा है? -**बिरहा**
- उत्तर प्रदेश का प्रमुख लोकनृत्य: **चरकुला, करमा, पंडव, कठघोड़ा, पाईडण्डा, थारू, धोबिया, राई और शैरा आदि।**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जनजातियों की संख्या हैं -**थारू**
- उत्तर प्रदेश का वृहत्तम उद्योग -**हथकरघा उद्योग**
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख हस्तशिल्प: **चिकन का काम, जरी का काम, लकड़ी के खिलौने व फर्नीचर, मिट्टी के खिलौने, कालीन, सिल्क तथा पीतल का काम।**
- विद्युत उत्पादन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सम्पूर्ण देश में स्थान -**आठवाँ**

Follow us on : Paramount Mission IAS

- उत्तर प्रदेश के किस नव-पाषाणिक पुरास्थल से धान की खेती के साक्ष्य मिले हैं -**कोलडिहवा**
- वर्ष 1925 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन उत्तर प्रदेश में हुआ -**कानपुर में**
- वर्षा के वितरण के आधार पर उत्तर प्रदेश को कितने जलवायु विभागों में विभाजित किया गया है -**दो**
- प्रदेश का कौन-सा जिला अवनालिका अपरदन से अधिक प्रभावित है -**इटावा**
- उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम पक्षी विहार की स्थापना की गई -**नवाबगंज पक्षी विहार**
- हरदुआगंज ताप विद्युत गृह स्थापित किया गया-**अलीगढ़ में**
- उत्तर प्रदेश में 'किसान मित्र योजना' शुरू की गई - **18 जून, 2001 से**
- उत्तर प्रदेश में प्रमुख रूप से आम की दो किस्मों का उत्पादन होता है -**दशहरी और चौसा**
- अमरूद उत्पादन के लिए शहरों का कौन-सा जोड़ा प्रसिद्ध है -**बरेली-इलाहाबाद**
- उत्तर प्रदेश में रेशमी साड़ियाँ बनाई जाती हैं -**मेरठ**
- उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय खेल का आयोजन प्रथम बार किया गया - **वर्ष 2005-06 में**
- 'काँच उद्योग' के लिए उत्तर प्रदेश का नगर विख्यात है -**फिरोजाबाद**
- उत्तर प्रदेश से होकर गुजरने वाला सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 है, जो **दिल्ली से कोलकाता** तक जाता है।
- 'लखनऊ योजना' सम्बन्धित है -**सड़कों के**
- उत्तर प्रदेश के जिले में सर्वाधिक वर्षा होती है और किसमें सबसे कम -**सर्वाधिक- गोरखपुर, कम-मथुरा**
- यमुना एक्सप्रेस-वे दो नगरों के बीच है -**आगरा-नोएडा**
- उत्तर प्रदेश राज्य का पुर्नगठन-**1 नवम्बर, 1956**
- राज्य को संविधान द्वारा प्रदत्त सभी शक्तियों को प्रयोग करने एवं कार्य कराने का अधिकार किसे प्राप्त है -**मन्त्रिमण्डल**
- नृत्य की शैली उत्तर प्रदेश की देन है -**कत्थक शैली**
- उत्तर प्रदेश में उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया -**वर्ष 1989 में**
- उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या -**4**
- उत्तर प्रदेश राज्य खेलकूद परिषद् का गठन किया गया -**वर्ष 1955-56 में**
- उत्तर प्रदेश में जैन एवं बौद्ध दोनों धर्मों का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल -**कौशाम्बी**
- उत्तर प्रदेश में प्रथम विकलांग विश्वविद्यालय -**चित्रकूट**
- उत्तर प्रदेश धार्मिक समुदाय की दृष्टि से तीसरा स्थान -**सिख**
- उत्तर प्रदेश में यूरेनियम सीमित भण्डार की खोज की गई -**ललितपुर में**
- उत्तर प्रदेश की जनसंख्या भारत की **कुल आबादी का 16.51% है।**
- उत्तर प्रदेश का कुल क्षेत्रफल भारत के **कुल क्षेत्रफल का 7.33% है।**
- भारत की **लगभग 70% चीनी उत्तर प्रदेश से आती है।**

PARAMOUNT IAS Mission
A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE
FOREVER ABOVE ESTD 2005

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

- उत्तर प्रदेश अर्थव्यवस्था में तीसरा सबसे बड़ा भारतीय राज्य है।
- उत्तर प्रदेश को भारत का अंडर-अचिवर कहा जाता है,
- राज्य में देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है और छठा **उच्चतम रेलवे** घनत्व है।
- उत्तर प्रदेश में स्थित 'भारत-कला-भवन': **वाराणसी**
- उत्तर प्रदेश की सबसे लंबी नहर: **शारदा नहर**
- 'नेशनल शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट' : **कानपुर**
- उत्तर प्रदेश में भारत की कुल खेती की भूमि का प्रतिशत: **22**
- ***कानपुर को उत्तर प्रदेश के मैनचेस्टर कहा जाता है।***
- हार्डुगंज थर्मल पावर प्लांट कहां स्थापित किया गया - **अलीगढ़ में**
- उत्तर प्रदेश में 'किसान मित्र योजना' कब शुरू हुई थी- **18 जून, 2001 को**

उत्तर प्रदेश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री: **श्री गोविंद वल्लभ पंत**
- उत्तर प्रदेश के प्रथम महिला मुख्यमंत्री: **सुचेताकृपलानी**
- उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक बार मुख्यमंत्री: **सुश्री मायावती** (चार बार)
- उत्तर प्रदेश के प्रथम राज्पाल: **श्री होरमसजी मोदी**
- उत्तर प्रदेश के प्रथम महिला राज्यपाल: **श्रीमती सरोजनी नायडू**
- उत्तर प्रदेश के प्रथम लोकायुक्त: **विश्वम्भर दयाल**
- उत्तर प्रदेश में स्वतंत्रता के बाद प्रथम मुख्य न्यायाधीश: **न्यायमूर्ति कमलाकन्त वर्मा**

Follow us on : Paramount Mission IAS

- उत्तर प्रदेश, भारत का **पहला हिंदी दैनिक समाचार पत्र 1887 में प्रतापगढ़** में प्रकाशित हुआ था, जिसे **काला कनकर के राजा रामपाल सिंह ने शुरू** किया था।
- उत्तर प्रदेश का पहला हिंदी साप्ताहिक **'बनारस न्यूजपेपर' जनवरी 1945** में काशी बनारस से प्रकाशित हुआ था।
- वर्ष **1990** में, उत्तर प्रदेश में **पहले अंग्रेजी दैनिक 'नेता'** का प्रकाशन इलाहाबाद में पं. मदन मोहन मालवीय ने किया।
- उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय **इलाहाबाद विश्व विद्यालय** है, जिसे **1887** में स्थापित किया गया था।
- 1791 में, निवासी डेक्कन ने **बनारस में पहला संस्कृत कॉलेज** स्थापित किया, जिसमें हिंदू धर्म, साहित्य और कानून के लिए शिक्षा की एक प्रणाली थी।
- वर्ष **1956** में, उत्तर प्रदेश (भारत) में **पहली खेल परिषद** की स्थापना हुई थी।
- 1923 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकील थे, राज्य के **पहली महिला वकील करनालिया सोराबजी।**
- **भारत का पहला ग्रामीण बैंक 2 अक्टूबर 1975 को मोरादाबाद और गोरखपुर में खोला गया।**
- **भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान 1936 में स्थापित हैली पार्क है, जिसे स्वतंत्रता के बाद रामगंगा पार्क नाम दिया गया था, और आज इसे जिम कार्बेट नेशनल पार्क (जो अब उत्तराखंड में है) कहा जाता है।**
- उत्तर प्रदेश में भारत की **पहली उर्दू अकादमी** शुरू हुई थी।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE



Follow us on : Paramount Mission IAS

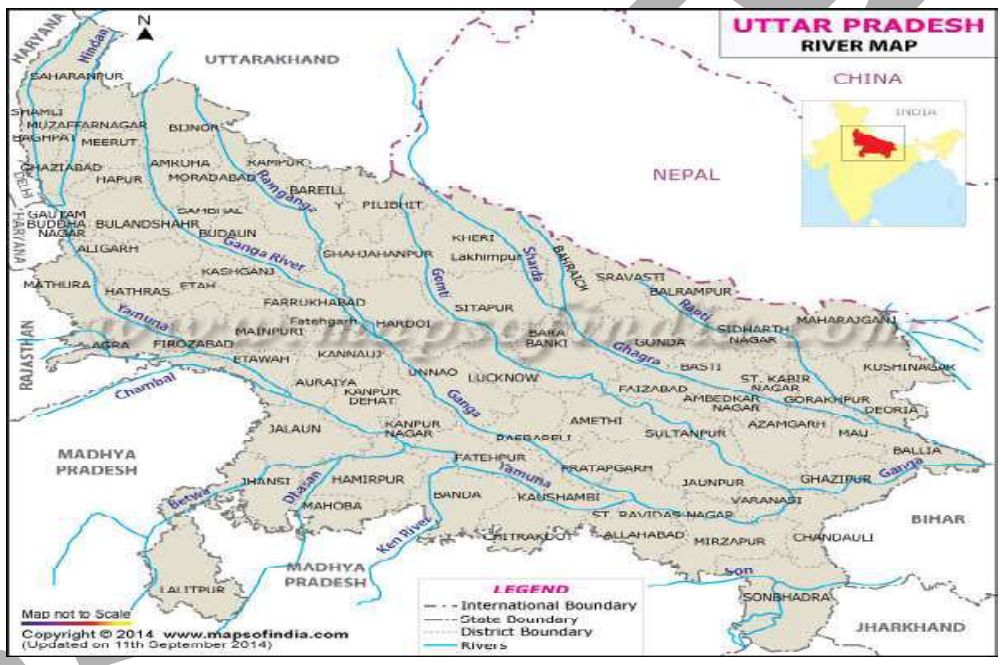
महत्वपूर्ण बाँध, नदियों और झीलें

बांध:

क्र.सं.	बांध	नदी	निकटतम शहर	उद्देश्य / परियोजना
1.	ओबरा बांध	रिहैंड	रॉबर्ट्सगंज	जलविद्युत + सिंचाई
2.	राजघाट बांध	बेटवा	ललितपुर	जलविद्युत + सिंचाई + जल संग्रहण
3.	रिहांद बांध	रिहांद	दुधी	जलविद्युत + सिंचाई
4.	चंद्र प्रभा बांध	चंद्रप्रभा	चकीय	सिंचाई

नदियाँ

क्र.स.	नदी
1.	गंगा
2.	रामगंगा
3.	यमुना
4.	गोमती
5.	घाघरा
6.	चम्बल
7.	सोन
8.	सरायूँ



झील

क्र.स.	झील	पास स्थित है
1.	बरुआ सागर झील	झांसी
2.	रामगढ़ तल	देवरिया
3.	केथम झील	आगरा



FOREVER ABOVE 2005 ISO PARAMOUNT

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
■ www.paramountias.in ■ enquiry@paramountias.com

Follow us on : Paramount Mission IAS

महत्वपूर्ण बिजली उत्पादन संयंत्र

क्र.स.	संयंत्र/परियोजना	प्रकार/श्रेणी
1.	नरोरा परमाणु पावर स्टेशन- बुलंदशर	परमाणु
2.	एनटीपीसी- सिंग्रोली	थर्मल कोयला पर आधारित
3.	एनटीपीसी- दादरी	थर्मल कोयला पर आधारित
4.	एनटीपीसी- फिरोज गांधी, ऊंचाहार	थर्मल कोयला पर आधारित
5.	एनटीपीसी- टांडा	थर्मल कोयला पर आधारित



उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण हवाई अड्डे

1. चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (अमौसी हवाई अड्डे) - लखनऊ
2. लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे - वाराणसी

लोक नृत्य



1. स्वांग
2. चारकुला नृत्य
3. रासलीला
4. नौटंकी
5. अहीर नृत्य

जनजातियाँ

1. अगरिया
2. अहरिया
3. बैगा जनजाति
4. बाइंड जनजाति
5. पटारी

PARAMOUNT IAS Mission PARAMOUNT LEAGUE
FOREVER ABOVE ESTD 2005

Follow us on : Paramount Mission IAS

उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का भारत में स्थान

उत्पादन/विशेषता	भारत में स्थान
गन्ना	1
आलू	1
अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पादन)	3
राज्य की जनसंख्या	1
आम	1
गेहूँ	1
चावल	2

महत्वपूर्ण मंदिर / पुरातत्व स्मारक / साइट

क्र.सं.	मंदिर/पुरातत्व स्मारक/साइट	में/पास स्थित है
1.	ताज महल	आगरा
2.	काशीविश्वनाथ मंदिर	वाराणसी
3.	तुलसी मानस मंदिर	वाराणसी
4.	हनुमान सेतु मंदिर	लखनऊ
5.	श्री राधा गोविंद मंदिर	वृन्दावन
6.	राम जन्मभूमि	अयोध्या
7.	त्रिवेणी संगम	इलाहाबाद
8.	संकट मोचन	वाराणसी
9.	सारनाथ मंदिर	वाराणसी
10.	मणिकर्णिका घाट	वाराणसी
11.	अकबर का मकबरा	आगरा
12.	आगरा का किला	आगरा
13.	बांके बिहारी मंदिर	वृन्दावन
14.	भारत माता मंदिर	वाराणसी

PARAMOUNT IAS Mission
A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE
FOREVER ABOVE ESTD 2005

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
■ www.paramountias.in ■ enquiry@paramountias.com

15.	बड़ा इमामबाड़ा	लखनऊ
16.	झांसी का किला	झांसी
17.	जामा मस्जिद	जोनपुर
18.	चुनर का किला	वाराणसी
19.	रेजीडेन्सी	लखनऊ
20.	विक्टोरिया मेमोरियल	लखनऊ
21.	धमक स्तूप	वाराणसी
22.	फतेहपुर सीकरी	आगरा
23.	कृष्ण जन्मभूमि	मथुरा

उपनाम/शहरों के विशेष शीर्षक

क्र.सं.	शहर	उपनाम
1.	आगरा	ताज का शहर
2.	इलाहाबाद	संगम शहर भगवान का निवास
3.	कन्नौज	भारत के हर्षवर्धन की इत्र घास की पूर्वी राजधानी
4.	कानपुर	पूर्व के मैनचेस्टर दुनिया का चमड़े का शहर
5.	लखनऊ	नवाब सिराज-ए-हिंद के पूर्व कॉन्स्टेंटिनोपल शहर
6.	वाराणसी	भारत की आध्यात्मिक राजधानी एवं दुनिया का सबसे पुराना शहर

खेल स्टेडियम/भूमि

क्र.स.	स्टेडियम/भूमि	खेल उद्देश्य	शहर
1.	ग्रीन पार्क स्टेडियम	क्रिकेट	कानपुर
2.	फैजाबाद स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स	बहुउद्देशीय	फैजाबाद
3.	बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय सर्किट	फार्मूला वन भारतीय ग्रांड प्रिक्स	ग्रेटर नोएडा
4.	ध्यान चंद एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम	हॉकी	लखनऊ

PARAMOUNT IAS Mission ASSIGNMENT OF PARAMOUNT LEAGUE
FOREVER ABOVE ESTD 2005

उत्तर प्रदेश का प्राचीन इतिहास

Follow us on : Paramount Mission IAS

उत्तर प्रदेश का इतिहास मध्य एशिया से आर्यों के आगमन के साथ शुरू होता है। 2000 ई.पू. की शुरुआत में, जब आर्य गंगा और घाघरा के दोआब के पास बसने लगे। आर्यों का अधिवास मुख्य रूप से ग्रामीण प्रकृति में था और इसका नाम 'मध्यादेश' यानी 'केंद्रीय देश' रखा गया था। महाकाव्य महाभारत उन राजाओं के बारे में बताता है जिन्होंने आधुनिक उत्तर प्रदेश और उसके आसपास शासन किया था और कौरव और पांडवों के बीच उत्तराधिकार के युद्ध का भी हिस्सा थे। एक सहस्राब्दी ईसा पूर्व भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म की शुरुआत हुई।

वाराणसी के पास सारनाथ वह जगह है जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। उस अवधि में, राज्य पर मगध वंश द्वारा शासन किया गया था। इसके बाद इसे नंद वंश और फिर मौर्य वंश का शासन था। ईसा मसीह युग के बाद, कन्नौज सत्ता का केंद्र बन गया। विभिन्न शासकों ने कन्नौज पर शासन किया लेकिन यह हर्षवर्धन के शासनकाल का दौर था जब कन्नौज अपने शिखर पर था।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- उत्तर प्रदेश में ताम्र-पाषाणिक संस्कृति के साक्ष्य मेरठ और सहारनपुर से प्राप्त हुए है।
- उत्तर प्रदेश में पुरापाषाण कालीन सभ्यता के साक्ष्य इलाहाबाद के बेलन घाटी, सोनभद्र के सिंगरौली घाटी तथा चंदौली के चकिया नामग पुरास्थलों से प्राप्त हुए हैं।
- बेलन नदी घाटी के पुरास्थलों की खोज एवं खुदाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी.आर.शर्मा के निर्देशन में कराई गई।
- मध्य पाषाणकालीन मानव अस्थि-पंजर के कुछ अवशेष प्रतापगढ़ के सरायनाहर राय तथा महदहा नामक स्थान से प्राप्त हुए हैं।
- नवीनतम खोजों के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले में स्थित लहुरादेव है।
- यहां से 8000 ई.पू. से 9000 ई.पू. के मध्य चावल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- मिर्जापुर, सोनभद्र, बुंदेलखंड एवं प्रतापगढ़ के सराय नाहर राय से उत्खनन में नवपाषाण काल औजार एवं हथियार मिले हैं।
- 16 महाजनपदों में से 8 महाजनपद मध्य प्रदेश (आधुनिक उत्तर प्रदेश) में स्थित थे, जिनके नाम थे- कुरू, पांचाल, काशी, कोशल, शूरसेन, चेदि, वत्स और मल्ल।
- कुशीनगर पर हूणों के आक्रमण से भी साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- कुशीनगर में 483 ई.पू. में गौतम बुद्ध को महापरिनिर्वाण को प्राप्ति हुई थी।
- कालसी (वर्तमान उत्तराखण्ड) में अशोक का चौदहवां शिलालेख प्राप्त हुआ है। यहां से संस्कृत पदों से उत्कीर्ण ईटों की एक वेदी मिली है जो तृतीय शताब्दी के शासक शीलवर्मन के अश्वमेघ यज्ञ स्थल का साक्ष्य है।
- गौतम बुद्ध का अधिकांश सन्यासी जीवन उत्तर प्रदेश में ही व्यतीत हुआ था। इसी कारण उत्तर प्रदेश का 'बौद्ध धर्म' का पालना कहते है।
- अयोध्या का प्राचीन नाम अयाज्सा था।
- अहिच्छत्र से 'मित्र' उपाधि वाले राजाओं के सिक्के (200-300 ई.) प्राप्त हुए हैं।
- अहिच्छत्र से गुप्तकालीन 'यमुना' की एक मूर्ति प्राप्त हुई है।
- पुष्यभूति शासक हर्षवर्द्धन के काल (606-647 ई.) में कन्नौज नगर 'महोदयश्री' अथवा 'महोदय नगर' भी कहलाता था। विष्णु धर्मोत्तर पुराण में कन्नौज को 'महादेव' बताया गया है। 1018-1019 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण किया था।
- अशोक की राजकीय घोषणाएं जिन स्तंभों पर उत्कीर्ण हैं, उन्हें 'लघु स्तंभ-लेख' कहा जाता है।
- प्रयाग स्तंभ पर अशोक की रानी करूवाकी द्वारा दान दिए जाने का उल्लेख है। इसे 'रानी का अभिलेख' भी कहा गया है।

PARAMOUNT IAS Mission
A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE
FOREVER ABOVE ESTD.

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

- काशी का सर्वप्रथम उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है। महाभारत के अनुसार इस नगर की स्थापना दिवोदास ने की थी। काशी महाजनपद की राजधानी वाराणसी थी।
- 1194 ई. में चंदावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी ने गहड़वाल नरेश जयचंद (कन्नौज का शासक) को पराजित किया था।
- 1018 ई. में महमूद गजनवी ने मथुरा के मंदिरों को ध्वंस कर लूटपाट की थी।
- 1670 ई. में औरंगजेब ने मथुरा के कृष्ण मंदिर (वीर सिंह बुंदेला द्वारा निर्मित) को नष्ट किया था।

वैदिक कालः

- वैदिक भजनों में वर्तमान उत्तर प्रदेश क्षेत्र का शायद कोई उल्लेख नहीं है। यहां तक कि पवित्र नदियां गंगा और यमुना भी आर्यों की भूमि के क्षितिज पर दिखाई देती हैं।
- वैदिक युग के बाद, सप्त सिंधु का महत्व घट गया और ब्रह्मर्षि देश या मध्य देश महत्व माना जाता हैं। उस समय उत्तर प्रदेश भारत का एक पवित्र स्थान और वैदिक संस्कृति एवं ज्ञान का प्रमुख केंद्र बन गया।
- कुरु-पांचाल, काशी और कोशल के नए राज्यों में वैदिक संस्कृति के प्रमुख केंद्रों के रूप में देर से वैदिक ग्रंथों में उल्लेख किया गया है। कुरु-पांचाल के लोगों को वैदिक संस्कृति का सबसे अच्छा प्रतिनिधि माना जाता था। उन्होंने संस्कृत के उत्कृष्ट वक्ता के रूप में बहुत सम्मान प्राप्त किया।
- पांचाल राजा प्रवाहन जयवली स्वयं एक महान विचारक थे, जिन्होंने शिलिक, दलाभ्य, श्वेतकेतु और उनके पिता उद्दालक अरुनी जैसे ब्राह्मण विद्वानों द्वारा प्रशंसा की थी।
- काशी का ***अजातशत्रु एक महान दार्शनिक राजा*** था, जिसकी श्रेष्ठता ब्राह्मण विद्वानों द्वारा दृप्ती, वालहाकी, गर्ग्या इत्यादि द्वारा स्वीकार की गई थी, उपनिषदों में इस युग के दौरान विभिन्न विषयों में साहित्य व्यापक पैमाने पर लिखा गया था। वे मानव कल्पना की उच्चतम पहुंच को दर्शाते हैं।

Follow us on : Paramount Mission IAS

पूर्व वैदिक कालः

- उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत रामायण और महाभारत यानी महाकाव्य काल की अवधि थी।
- रामायण की कहानी कोशल के इक्ष्वाकू वंश के चारों ओर एवं महाभारत की कहानी हस्तीनापुर के 'कुरु' राजवंश के चारों ओर घूमती है। स्थानीय लोग दृढ़ता से मानते हैं कि रामायण के लेखक वाल्मीकि के आश्रम ब्रह्मव्रत (कानपुर जिले के बिथूर) में थे और यह नैमिशारनी (सीतापुर जिले में निसार-मिश्रीख) के आसपास था, जिसमें सुता ने महाभारत की कहानी सुनाई थी जिसे व्यासजी से सुना था।
- इस राज्य में कुछ स्मृतियाँ और पुराण भी लिखे गए थे। गौतम बुद्ध, महावीर, मखलिपुट्टा गोशाल और महान विचारकों ने छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में उत्तर प्रदेश में एक क्रांति लाए। इनमें से मखलिपुट्टा गोशाल, जो श्रावस्ती के पास श्रवण में पैदा हुए थे, अजीविका संप्रदाय के संस्थापक थे।
- वास्तव में, भगवान महावीर के आगमन से पहले भी जैन धर्म इस राज्य में मौजूद था। विश्वनाथ, साम्भरनाथ और चंद्रप्रभा जैसे कई तीर्थंकर इस राज्य के विभिन्न शहरों में पैदा हुए थे और यहां 'कैवल्य' प्राप्त किए थे।
- जैन धर्म ने बाद में भी इस राज्य में अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी। यह तथ्य कई प्राचीन मंदिरों के खंडहरों, इमारतें, इत्यादि द्वारा प्राप्त हुआ है। एक शानदार जैन स्तूप के अवशेष मथुरा में कंकली टिला के पास प्राप्त किए गए हैं, जबकि जैन मंदिरों में शुरुआती मध्य युग में बनाया गया है, फिर भी देवगढ़, चंदेरी और अन्य स्थानों में संरक्षित हैं।

बुद्ध कालः

- बौद्ध धर्म के संस्थापक, गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल में लुंबिनी में हुआ था। उनके पिता, राजा शुद्धोधन, छोटे राज्य, कपिलवस्तु (अब सिद्धार्थनगर जिले में) के शासक थे। उनकी मां, माया एक छोटे राज्य, देवदा (अब देवरिया जिले में) के शासक परिवार से संबंधित थीं।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE

Follow us on : Paramount Mission IAS

- बुद्ध ने बिहार में बोध गया में ज्ञान प्राप्त किया लेकिन उन्होंने अपने पहले उपदेश का प्रचार उत्तर प्रदेश में सारनाथ में इसीपट्टन या मृगदाव में किया।
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म के अलावा, राज्य में पौराणिक ब्राह्मणवाद की भी गहरी जड़ें थीं। ब्राह्मणिक आदेशों के देवताओं और देवियों की प्राचीन छवियां, कुशान काल का एक मंदिर पाया गया है जो ब्राह्मणवाद को दर्शाता है।

संस्कृति विरासत

- उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति के सबसे प्राचीन पालनों में से एक हैं। हालांकि राज्य में हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खोज नहीं हुई है, प्राचीन समय में बांदा (बुंदेलखंड), मिर्जापुर और मेरठ में पाए गए इसके इतिहास को पाषाण युग और हड़प्पा युग से जोड़ती हैं।
- आदिमानवों द्वारा चाक चित्र या काले लाल चित्र बड़े पैमाने पर मिर्जापुर जिलों की विंध्य पर्वतमाला में पाए जाते हैं। उस काल के बर्तन भी अत्रंजी-खेड़ा, कौशाम्बी, राजघाट और सोंख में खोजे गए हैं।
- कानपुर, उन्नाव, मिर्जापुर, मथुरा और इस राज्य में आर्यों के आगमन में कॉपर लेख पाए गए हैं।

मौर्य काल

- तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्यों के उद्भव के साथ, कला के इतिहास में एक नया अध्याय खोला गया। ऐसा कहा जाता है कि अशोक ने सारनाथ और कुशीनगर का दौरा किया और व्यक्तिगत रूप से इन दो पवित्र स्थानों पर स्तूप और विहारों के निर्माण के लिए आदेश दिया था।
- सारनाथ, इलाहाबाद, मेरठ, कौशाम्बी, संकीसा और वाराणसी में पाए गए पत्थर के खंभे के अवशेष हमें मौर्य कला की उत्कृष्टता को एक विचार देते हैं।
- ***सभी अशोक स्तंभों को चुनर पत्थरों के साथ बनाया गया है। सारनाथ में निर्मित स्तम्भ मौर्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।*** प्रसिद्ध इतिहासकार विन्सेंट स्मिथ लिखते हैं, 'किसी भी देश में प्राचीन पशु मूर्तिकला का उदाहरण, सारनाथ की इस कलात्मक अभिव्यक्ति के बराबर भी होना मुश्किल होगा, क्योंकि यह आदर्शवादी गरिमा के साथ यथार्थवादी उपचार को सफलतापूर्वक जोड़ता है।
- मौर्य काल में मथुरा कला का एक और महत्वपूर्ण केंद्र था, यक्ष और यक्षिनियों की विशाल मूर्तियां पार्कम, बोरादा और झिंग-केएस-नगर और कुछ अन्य स्थानों में पाए गए हैं। ये सभी समकालीन लोक कला का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- शुंग-सातवाहन अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश में काफी कलात्मक गतिविधि थी। सारनाथ के खंडहरों में पाए गए वास्तुशिल्प और अन्य टुकड़ों की एक बड़ी संख्या हमें इस अवधि के दौरान निर्मित इमारतों की कहानी बताती है।
- इस अवधि के अर्द्ध-गोलाकार मंदिर के अवशेष अब केवल अपनी नींव की दीवार से दर्शाए जाते हैं, उन दिनों के दौरान मथुरा भड़ौत-सांची स्कूल ऑफ आर्ट का एक प्रमुख केंद्र था। यहां इस स्कूल के कई महत्वपूर्ण नमूने पाए गए हैं।

मथुरा की कला:

- कुषाण काल के दौरान कला के मथुरा स्कूल अपने शिखर पर पहुंचे। इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण बुद्ध की मानवरूपी छवि है जिसे अब तक कुछ प्रतीकों द्वारा दर्शाया गया था।
- मथुरा और गंधार के कलाकार अग्रणी थे जिन्होंने बुद्ध की छवियां बनाई। मथुरा में जैन तीर्थंकरों और हिंदू देवताओं की छवियां भी बनाई गई थीं।
- आम तौर पर, सभी प्रारंभिक मूर्तिकला आकार में विशाल थी। उनके उत्कृष्ट नमूने अभी भी लखनऊ, वाराणसी, इलाहाबाद और मथुरा के संग्रहालयों में संरक्षित हैं।
- कहा जाता है कि देव-कुल (शायद पूर्वजों की पूजा के लिए एक जगह) में स्थापित किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुषाण काल के दौरान **मथुरा पत्थर की छवियाँ (मूर्तिकला) के निर्माण का केंद्र था।**
- देश के अन्य हिस्सों में इन छवियों की एक बड़ी मांग थी। भूतेश्वर और मथुरा जिले के अन्य स्थानों में पाए गए पत्थर के खंभे पर चित्रित दृश्यों में वर्तमान में कपड़े, गहने, मनोरंजन, हथियार, घरेलू फर्नीचर इत्यादि सहित समकालीन जीवन की झलक दिखाई देती है।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD.

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

Follow us on : Paramount Mission IAS

- नशे की लत में पाए गए लोगों के समूहों की पत्थर की नक्काशी, कला के इस विद्यालय पर विदेशी (हेलेनिस्टिक) प्रभाव के बारे में बात करते हैं। कुषाण काल में सरनाथ में भी उल्लेखनीय निर्माण गतिविधियां आई हैं, कई मठों, मंदिरों और उस अवधि के स्तूपों के खंडहर आज भी वहां मौजूद हैं।

स्वर्णिम युग:

- **भारतीय काल के इतिहास में गुप्त काल स्वर्ण युग के रूप में जाना जाता है।** उत्तर प्रदेश कलात्मक प्रयास में किसी भी देश के पीछे नहीं था। कानपुर जिले के भितगांव में पत्थर मंदिर एवं देवगढ़ (झांसी) का ईंट मंदिर उनके कलात्मक रचनाओं के लिए प्रसिद्ध है।
- प्राचीन कला और शिल्प के कुछ अन्य नमूने है जैसे विष्णु की छवि, मथुरा में बुद्ध की खड़ी मूर्ति और सारनाथ संग्रहालय में तथागत की बैठी हुई छवि। मथुरा और सारनाथ दोनों गुप्त काल के दौरान कला के क्षेत्र में अपने चरम पर पहुंचे।
- लालित्य और संतुलन इस अवधि के वास्तुकला की विशेष विशेषताएं थीं, जबकि मूर्तियों को शारीरिक आकर्षण और मानसिक शांति द्वारा दर्शाया गया था।
- उत्तर प्रदेश में इस अवधि के दौरान प्रतीकात्मक रूपों और सजावटी उद्देश्यों में अभूतपूर्व प्रगति देखी गई। **कलात्मक मूर्तियों के कुछ उत्कृष्ट नमूने न केवल पत्थर के बने है बल्कि टेरा कोट्टा के भी बने हैं,** राजघाट (वाराणसी), साहेत-माहेत (गोंडा-बहराइच), भितरगांव (कानपुर) और अहिछत्र (बरेली) में पाए गए हैं।
- मध्यकालीन काल की शुरूआत में उत्तर प्रदेश इमारतों के निर्माण, कार्य काफी तेजी से हुआ। मुस्लिम इतिहासकारों ने भी कन्नौज, वाराणसी, कलिंसर, मथुरा में किलों, मंदिरों, महलों के विपुलता की प्रशंसा की है जो पूरे प्रदेश में फैले हुए थे।
- गुर्जर-प्रतिहार और गहरवार के शासनकाल के दौरान, कन्नौज कला और शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन गया था लेकिन यह मुस्लिम आक्रमणकारियों के विध्वंस का शिकार भी हुआ।
- कुमार देवी जो गहरवार राजा गोविंद चन्द्र की पत्नी थी, ने सारनाथ में एक बहुत भव्य इमारत का निर्माण किया था जिसे ***धर्म चक्र जैन विहार*** के नाम से जाना जाता है। मथुरा मंदिरों की कलात्मक सुंदरता ऐसी थी कि गजनी के प्रतिमा भंजक महमूद ने भी उनकी प्रशंसा की थी।
- दक्षिणी उत्तर प्रदेश के चंदेल शासक भी कला के महान संरक्षक थे। उनके द्वारा निर्मित इमारतों का केन्द्र मध्यप्रदेश का खजुराहो था किंतु उनके द्वारा निर्मित मंदिरों एवं तलाबों के अवशेष महोबा, रायसेन, रहिला एवं आधुनिक बुंदेलखंड में भी पाए गए हैं।
- कलिंगर में उनके द्वारा बनाए गए किले रक्षा दृष्टिकोण से अपरिहार्य थे। उत्तर प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में मंदिर और दिव्य छवियां स्वयं की एक विशेष कला परंपरा का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अंधकार काल:

- ***जहां तक उत्तर प्रदेश का संबंध है, सल्तनत काल कला के दायरे में अंधकार काल के रूप में जाना जाता है।*** सुल्तानों ने मुख्य रूप से दिल्ली में अपनी इमारत निर्माण को सीमित कर दिया, हालांकि उन्होंने उत्तर प्रदेश में यहां मकबरे और मस्जिदों का निर्माण किया।
- जौनपुर में शारकी शासकों के आगमन के बाद, कला गतिविधियों में एक नया जीवन शामिल किया गया था। अटल, खलीस-मुखी, झांझीरी और लाल दरवाजा जैसे उनकी संरक्षित मशहूर मस्जिदों के तहत उनका निर्माण किया गया था उनमें से सबसे बड़ा जामा मस्जिद है।
- 1408 ईस्वी में इब्राहिम शारकी द्वारा निर्मित अटल मस्जिद जौनपुर में अन्य मस्जिदों के निर्माण के लिए एक आदर्श बन गया। यह हिंदू और मुस्लिम वास्तुकार का एक उत्कृष्ट नमूना है जो निर्माण की शैली में शक्ति और अनुग्रह दोनों को दर्शाता है।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD 2005

Follow us on : Paramount Mission IAS

- जौनपुर मस्जिदों में कुछ विशेषताएं हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण उनकी कलात्मक द्वारा (प्रोपीलाएम) है। इन मस्जिदों में महिलाओं की प्रार्थना करने की सुविधा है। इसके लिए, कलात्मक दीवारों से घिरा सुंदर दीर्घाओं का निर्माण किया गया था। किले वास्तुकला भी शारकिस के संरक्षण के तहत विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश में मध्यकालीन काल में बने जौनपुर में किले का अपना महत्व है।

उत्तर प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास

मुसलमान शासकः

- दिल्ली का सिंहासन अर्थात् 1194 ए.डी. में मुहम्मद गौरी के सत्ता में आने से लेकर 1857 ए.डी. में मुगल वंश के अंतिम प्रतिनिधि बहादुरशाह जफर तक लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम शासकों के अधीन रहा है।
- देश में मुस्लिम शासक मुहम्मद गौरी के साथ (1194 ए.डी. से 1206 ए.डी.) प्रारम्भ हुआ। चूंकि उसके पुत्र नहीं था, कुतुबुद्दीन ऐबक उसका उत्तराधिकारी बना, जिसने भारत में दास वंश की स्थापना की और अधिकारों पर कब्जा करके 1206 ए.डी. में दिल्ली के सिंहासन तक पहुंचा। उसने 1210 ए.डी. तक शासन किया।
- इस दास वंश के अन्य महत्वपूर्ण शासक अल्तमश या इल्तुतमिश (1211-1236 ए.डी.), रजिया सुल्तान (1236-1240 ए.डी.) और गयासुद्दीन बलबन (1246-1266 ईसवी सन्) थे। मुहम्मद जलालुद्दीन खिलजी (अथवा खाल्जी) ने दास वंश के अंतिम सुल्तान को उखाड़ फेंका और दिल्ली के सुल्तानों का खिलजी वंश स्थापित किया, जिसने (1290 से 1320 ए.डी.) तक शासन किया।
- ***खिलजी वंश के बाद गयासुद्दीन तुगलक ने तुगलक वंश (1320-1413 ए.डी.) की स्थापना की*** जिसके ***नौ सुल्तान*** थे। तथापि, मुहम्मद तुगलक के शासन काल मे दिल्ली सल्तनत अपने अधिकतम विस्तार पर थीं। खिलजी और तुगलक साम्राज्य में वर्तमान उत्तर प्रदेश भी शामिल था।
- तुगलक वंश का पतन प्रारम्भ हुआ, तब मलिक सरवर, फिरोज तुगलक का वजीर था, को पूर्वी क्षेत्र में मलिक उस शर्क (पूर्व का राजा) की उपाधि से सम्मानित करके तैनात किया। यह उपाधि प्राप्त करने के बाद उसके उत्तराधिकारी शर्की कहलाए।
- शर्कियों ने अपना स्वतंत्र राज्य स्थापित किया और जौनपुर में अपनी राजधानी तथा शर्की वंश की स्थापना की, जो एक शताब्दी से कम समय तक रही। इस वंश के शासक अपने शासनकाल (1394-1479 ए.डी.) में दिल्ली के सुल्तानों से अनवरत संघर्ष करते रहे और कन्नौज एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में उनके प्रभुत्व का जोरदार विरोध करते रहे। इस वंश को 1479 ए.डी. में सुल्तान बहलोल लोदी ने पराजित किया।
- ***शर्की शासकों ने कला और संस्कृति को संरक्षण प्रदान किया और जौनपुर में एक विशेष प्रकार की वास्तुकला का विकास किया, जिसे शर्की शैली के नाम से जाना गया।*** जौनपुर में अटाला मस्जिद इसका एक ज्वलंत उदाहरण है। इब्राहीम इस वंश का सबसे महान शासक था, जिसके आधिपत्य में जौनपुर शिक्षा का महत्वपूर्ण केन्द्र बना। ''भारत के शिराज'' की उपाधि प्राप्त करने वाले मलिक मोहम्मद जायसी भी इसी राज्य में रहते थे।
- ***18 दिसम्बर 1398 को समरकंद के अमीर तैमूर (जिन्हें तैमूरलंग या तमेरलेन भी कहते हैं) ने भारत पर आक्रमण किया और दिल्ली को तहस-नहस कर दिया।*** जिससे दिल्ली की सल्तनत को भारी झटका लगा और शीघ्र ही ***1412 ए.डी. में दिल्ली में तुगलक वंश का अंत*** हो गया। उसके द्वारा दिल्ली में लूटमार का यह दौर कई दिन तक चला।

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

Follow us on : Paramount Mission IAS

- 1414 से 1526 ए.डी. तक दिल्ली की बागड़ौर सैयद और लोदी राजाओं के हाथों में रही। सिकंदर लोदी के शासनकाल के दौरान (1489-1517 ए.डी.) आगरा को उपराजधानी का दर्जा उपलब्ध रहा। लोदी वंश का अगला शासक अर्थात् इब्राहिम लोदी (1517-1526 ए.डी.) था, जो इस वंश का अंतिम शासक सिद्ध हुआ, क्योंकि 21 अप्रैल 1526 को पानीपत की पहली लड़ाई में उसे पराजय का सामना करना पड़ा और उसका वध कर दिया गया जिसके परिणामस्वरूप, भारत में मुगल वंश की आधारशिला रखी गई थी।

मुगल कालः

- ***मुगल काल के दौरान समग्र भारतीय और मुस्लिम शैली की वास्तुकला अपने चरम पर पहुंच गई।*** एक सपने के रूप में संगमरमर से वर्णित ताजमहल इस शैली का एक जीवंत उदाहरण है। इस अवधि के दौरान अनगिनत किलों और स्थानों, मस्जिदों और मकबरे और स्नान और टैंक का निर्माण किया गया था, जो उनकी सुंदर और भव्य शैली के लिए जाने जाते थे। ***इसमें कोई संदेह नहीं है कि मुगल वंश के संस्थापक बाबर*** ने अयोध्या और संभल में मस्जिदों का निर्माण किया लेकिन मुगल वास्तुकला मुख्य रूप से अपने दो वंश-अकबर और शाहजहां से जुड़ा हुआ है।
- मुगल वास्तुकला अकबर के शासनकाल और शाहजहां के शासनकाल के दौरान अपनी गीतात्मक गुणवत्ता के दौरान अपनी भव्यता के आधार पर चिह्नित किया गया था। सिकरी में अकबर द्वारा निर्मित स्मारक, और शाहजहां द्वारा आगरा और दिल्ली में, उनके बौद्धिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। जब तक शाहजहां ने अपनी राजधानी दिल्ली नहीं की थी, तब तक आगरा और उसके पड़ोस मुगल वास्तुशिल्प गतिविधि का मुख्य केंद्र बना था।
- मुगल काल में उत्तर प्रदेश में निर्मित प्रमुख इमारतों में सिकरी मे अकबर द्वारा नगर निर्माण, आगरा का किला, ***और सिकंदरा में अकबर का मकबरे के भीतर इमारत और इलाहाबाद में अकबर का किला प्रमुख है। मथुरा, वाराणसी और लखनऊ में औरंगजेब द्वारा मस्जिदों का निर्माण कराया गया था।***
- ***इस अवधि के दौरान गढ़वाल मे चित्रकला का केन्द्र भी विकसित हुआ। मुगल वास्तुकला को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी के तहत शाहजहां के रॉयल फिरमैन के अनुसार संगमरमर के साथ भवनों का निर्माण किया गया।*** अकबर शासन के दौरान इस्तेमाल किए गए लाल रंग के स्थान पर शाहजहां द्वारा मुलायम रंगों के मूल्यवान संगमरमर का उपयोग अकबर और शाहजहां के विभिन्न व्यक्तित्वों के अनुरूप है। आगरा का किला अकबर समय में वास्तुकला का एक उदाहरण है। एक बड़े पैमाने पर निर्मित, यह वास्तेउंतज ुकला की भारतीय और मुस्लिम शैलियों दोनों के संलयन का प्रतिनिधित्व करता है।
- ***अकबर ने इलाहाबाद में एक किला भी बनाया*** जिसने अपने शासनकाल के दौरान आगरा किले के समान महत्व का आनंद लिया। लेकिन अकबर की सबसे महत्वपूर्ण वास्तुशिल्प परियोजना 40 किमी दूर एक नई राजधानी फतेहपुर-सीकरी का निर्माण था। आगरा से दूर अकबर ने यहां कई महलों और मंडपों का निर्माण किया जो उनकी सुंदरता, महिमा और पूर्णता के लिए प्रसिद्ध थे। फतेहपुर-सीकरी की इमारतों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है-धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष।
- पूर्व में शेख सलीम चिश्ती और महान मस्जिद शामिल हैं, जबकि बाद में जोधाबाई, मरियम-की-कोठी, सुनहरा मकान और पंच महल शामिल है। अकबर और शाहजहां की स्थापत्य शैलियों का एक संलयन आगरा में नूरजहां के पिता एतमाद-उद-दौला की मकबरे में पाया जाता है।
- यह मकबरा इस अर्थ में अद्वितीय है कि यह समकालीन वास्तुकला शैली की एक नई व्याख्या देने लगता है। एक बड़े पैमाने पर नहीं बनाया गया, इसकी वस्तु समकालीन वास्तुकला कारीगरी की सुक्ष्मता, सुघड़ता, कृपा एवं सुंदरता को संरक्षित करता था।

PARAMOUNT IAS Mission
FOREVER ABOVE
A LEGACY OF PARAMOUNT LEAGUE

Follow us on : Paramount Mission IAS

शिखर:

- ***शाहजहां के शासनकाल के दौरान वास्तुकला की मुगल शैली अपने शिखर पर पहुंच गई।*** शैली और निर्माण की तकनीक से प्रभावित उचित परिवर्तनों के कारण चित्र, डिजाइन और रूपों में एक नई तरलता देखी गई।
- आगरा किले में भी यह बदलती शैली देखी जा सकती है। अकबर द्वारा निर्मित कई लाल बलुआ पत्थर की इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया था और संगमरमर के साथ पुनर्निर्मित किया गया था। इस संबंध में दीवान-ए-आम और दीवान-ए-खास से उल्लेख किया जा सकता है। नगीना मस्जिद, मुसम्मन बुर्ज और मोती मस्जिद आदि शानदार कारीगरी के कुछ बेहतरीन उदाहरण हैं।

अवध के नवाब:

- शाहजहां की मौत के बाद वास्तुकला के क्षेत्र में अचानक रुकावट हुई थी। लेकिन अवध के नवाबों ने भवन निर्माण की पुरानी परंपराओं में से कुछ जारी रखा। उन्होंने कई जगहें, मस्जिद, द्वार, उद्यान और इमामबाड़ा बनाया। शुरुआत में, उनके द्वारा निर्मित भवन अकेले फैजाबाद तक ही सीमित थे, लेकिन बाद में उनकी वास्तुशिल्प गतिविधि के मुख्य केंद्र लखनऊ में स्थानांतरित हो गए। उनमें से, प्रसिद्ध इमारतों अशफ-उद-दौला इमामबाड़ा, किसरबाग में मकबरे, लाल बरदारी, रेजीडेंसी, शाहनजाफ, हुसैनबाद इमामबाड़ा, छतर मांजिल, मोती महल, कैसरबाग प्लेस, दिलकुश गार्डन और सिकंदराबाग हैं। इन इमारतों की शैली अव्यवस्थित और संकरी हो जाती है, लेकिन इसकी अपनी विशेष विशेषताओं जैसे कि द्वार पर मछली के रूप में, सुनहरे छतरियों वाले गुंबद, घुमावदार हॉल, आर्केड मंडप, भूमिगत कक्ष और भूलभुलैयाएं हैं।
- असफ-उद-दौला द्वारा निर्मित बारा इमामबाड़ा दोनों प्रतिष्ठित और प्रबल हैं, इसका गुबंददार कक्ष शुद्ध लखनऊ शैली का विशिष्ट है और इसे दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा कक्ष माना जाता है। कुछ लोगों ने लखनऊ शैली की आलोचना की है कि वे केवल अन्य शैलियों का मिश्रण हैं और वास्तव में कई नवाब इमारतों पश्चिमी वास्तुकला के कच्ची नकल प्रतीत होते हैं। फिर भी, भारत-मुस्लिम वास्तुकला के इतिहास में उनके पास एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस शैली की कुछ इमारतें, वास्तव में, कला की सुंदर रचनाओं के रूप में हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान कला के लिए राज्य संरक्षण प्रदान करने की नीति में एक उल्लेखनीय परिवर्तन लाया गया था। राज्य ने धार्मिक निर्माण में रुचि ली, जिससे कि मंदिरों, मस्जिदों आदि का निर्माण करना बंद हो गया। लेकिन स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों आदि जैसे धर्मनिरपेक्ष भवनों का निर्माण बड़े स्तर पर किया गया।
- ये भवन पारंपरिक निर्माण गतिविधि में एक कट्टरपंथी परिवर्तन को चिह्नित करते हैं। प्रकृति में उपयोगितावादी और सभी वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों से दूर होने के कारण, उन्होंने वास्तव में उत्तर प्रदेश में वास्तुकला के इतिहास में एक नए युग में शुरुआत की है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- ***आगरा की स्थापना सुल्तान सिकंदर लोदी ने 1504 ई.*** में की थी।
- सिकंदर लोदी के बाद इब्राहिम लोदी आगरा की गद्दी पर बैठा, जिसे ***बाबर ने 1526 में पानीपत के प्रथम युद्ध में हराकर मुगल साम्राज्य की स्थापना*** की थी।
- मुगल काल में आगरा शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। आगरा के समीपवर्ती क्षेत्रों में मुगल काल में नील की खेती होती थी।
- मुगलकालीन इतिहासकार उत्तर प्रदेश को हिंदुस्तान के नाम से जानते थे।
- ***आगरा के किले का निर्माण अकबर*** ने कराया था।
- ***नूरजहां ने आगरा में अपने पिता एतमादुद्दौला का मकबरा*** बनवाया था।
- ***आगरा का 'ताजमहल', 'दीवाने आम, दीवाने खास एवं 'मोती मस्जिद' का निर्माण शाहजहाँ*** ने करवाया था।
- बारहवीं शताब्दी के अंत में कुतुबद्दीन ऐबक ने काल्पी (जालौन जिला) को दिल्ली सल्तनत का अंग बना लिया था।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD 2011

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
www.paramountias.in enquiry@paramountias.com

- अकबर के नवरत्नों में शामिल बीरबल काल्पी से संबंद्ध था। यहां से बीरबल का रंगमहल तथा मुगलकालीन टकसाल के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- ***शर्की सल्तनत*** के दौरान ***जौनपुर को 'शिराज-ए-हिन्द' कहा*** जाता था।
- ***1613 ई.*** में ओरछा शासक ***बीरसिंह बुंदेला ने झांसी की स्थापना*** की थी।
- झांसी में लक्ष्मीबाई का महल, महादेव मंदिर तथा मेहंदी बाग आज भी विद्यमान हैं।
- अकबर फतेहपुर सीकरी (आगरा के निकट) को शेख सलीम चिश्ती के कारण पवित्र भूमि मानता था।
- 1573 ई. से 1588 ई. तक यह मुगल साम्राज्य की राजधानी रही थीं।
- आगरा (सीकरी) से पुनः दिल्ली राजधानी शाहजहाँ द्वारा परिवर्तित की गयी थी।
- ***लखनऊ के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह*** थे, जिन्हें 1856 ई. में अंग्रेजों ने पदच्युत कर अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया था।
- सिकंदरा में मुगल सम्राट अकबर ने अपना मकबरा बनवाया था, जिसे 1613 ई. में सम्राट जहांगीर ने पूर्ण कराया था।
- ***जौनपुर की स्थापना फिरोजशाह तुगलक*** ने करवाई थी।
- ***बदायूं की जामा मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश*** ने करवाया था।
- 1707 ई. (औरंगजेब की मृत्यु) से 1757 ई. (प्लासी के युद्ध) तक वर्तमान उत्तर प्रदेश में पांच स्वतंत्र राज्य स्थापित हो चुके थे।
- बुंदेलखण्ड क्षेत्र पर मराठा का राज्य स्थापित था।
- 1765 ई. में अंग्रेजों एवं मुगल शासक शाह आलम द्वितीय के बीच 'इलाहाबाद की संधि' हुई थी।
- 1775 ई. में शुजाउद्दौला की मृत्यु के पश्चात आसफुद्दौला अवध का नवाब बना।
- आसफुद्दौला ने अंग्रेजों से फैजाबाद की संधि (1775 ई.) कर बनारस का क्षेत्र अंग्रेजों को सौंप दिया था।
- आसफुद्दौला ने 1784 ई. में मुहर्रम मनाने के लिए लखनऊ में इमामबाड़ा का निर्माण कराया।

Follow us on : Paramount Mission IAS

उत्तर प्रदेश का आधुनिक इतिहास

1857 का स्वतंत्रता संग्राम और उत्तर प्रदेश

- कलकत्ता के निकट स्थित बैरकपुर की 34वीं देशी सैनिक छावनी के मंगल पांडे (उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी) ने 29 मार्च, 1857 ई. को खुला विद्रोह कर लेफ्टिनेंट हेनरी बाग पर गोली चला दी। मंगल पांडे को 8 अप्रैल, 1857 ई. को बैरकपुर में फांसी पर चढ़ा दिया गया।
- 24 अप्रैल, 1857 ई. को मेरठ की देशी सेना ने नए कारतूसों को छूने से मना कर दिया जिससे क्रुद्ध अंग्रेज अधिकारियों ने 9 मई, 1857 ई. को सैनिकों की वर्दी उतरवा ली, परिणामस्वरूप 10 मई, 1857 ई. को पूरी छावनी के सैनिकों ने विद्रोह कर दिया।
- 1857 ई. के इस विद्रोह से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र अवध और बुंदेलखण्ड थे।
- 1857 ई. के इस विद्रोह ने शीघ्र ही अलीगढ़, बरेली, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद आदि को स्वतंत्र कराने के बाद विद्रोही सैनिकों एवं जमींदारों ने वहां अपनी सरकारें स्थापित कर ली थीं।
- 1857 ई. विद्रोह का विस्तार इटावा, मैनपुरी, एटा, मथुरा, शाहजहांपुर, बदायूं, आजमगढ़, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बारांबकी, वाराणसी, फैजाबाद, फतेहपुर, हाथरस आदि छोटे-छोटे नगरों एवं कस्बों तक भी हो गया था।
- अवध की बेगम हजरत महल ने लखनऊ में विद्रोह का नेतृत्व किया। बेगम ने अपने अल्पव्यस्क पुत्र बिरजिस कादिर को अवध का नवाब बना दिया।
- 1857 ई. के विद्रोह के महान योद्धा तात्या टोपे (मूल नाम-रामचंद्र) ने अपनी 'गनीमी कावा रणनीति' (छापामार रणनीति) से अंग्रेजों को भयभीत कर दिया था।
- 7 अप्रैल, 1859 को तात्या टोपे को गिरफ्तार करके, उन पर शिवपुरी के सैनिक न्यायालय में मुकदमा चलाकर 18 अप्रैल, 1859 को उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया था।

PARAMOUNT IAS Mission A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD 2005

Follow us on : Paramount Mission IAS

- जून, 1858 में संयुक्त प्रांत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) में विद्रोह पूरी तरह से समाप्त हो गया।
- 1 नवंबर 1858 को इलाहाबाद में लॉर्ड कैनिंग ने महारानी विक्टोरिया का घोषणापत्र पढ़कर सुनाया।
- 1858 ई. में दिल्ली डिवीजन को उत्तर-पश्चिमी प्रदेश से अलग कर दिया गया तथा प्रदेश की राजधानी को आगरा से इलाहाबाद स्थानांतरित कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश का आधुनिक काल:

- 1861 में शिव दयाल साहब ने आगरा में राधास्वामी सत्संग की स्थापना की थी।
- स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की थी।
- भारतेंदु हरिशचन्द्र ने वाराणसी से कवि वचन सुधा (1867) तथा हरिशचन्द्र मैगजीन (1872) का प्रकाशन किया था।
- अलीगढ़ में सर सैयद अहमद खां द्वारा 1875 ई. में स्थापित मोहम्मडन ऐंग्लो ओरिएंटल विद्यालय' का वर्तमान नाम 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' है।
- सर सैयद अहमद खां ने मुसलमानों की स्थिति सुधारने के लिए 'अलीगढ़ आंदोलन' चलाया था।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उत्तर प्रदेश में सन् 1947 तक कुल 9 अधिवेशन हुए थे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक तीन-तीन बार अधिवेशन इलाहाबाद एवं लखनऊ में हुए। इलाहाबाद (1888 ई., अध्यक्ष जार्ज यूल, 1892 ई., अध्यक्ष-डब्ल्यू. सी. बनर्जी 1910 ई., अध्यक्ष-सर विलियम वेडरवर्न), लखनऊ (1899 ई., अध्यक्ष-रमेश चंद्र दत्त, 1916 ई., अध्यक्ष-अंबिका चरण मजूमदार, 1936 ई., अध्यक्ष-पं. जवाहर लाल नेहरू)।
- इलाहाबाद एवं लखनऊ के अतिरिक्त तीन अन्य शहरों (उत्तर प्रदेश के) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन हुए थे। 1905 में बनारस (अध्यक्ष-गोपाल कृष्ण गोखले), 1925 में कानपुर (अध्यक्ष-श्रीमती सरोजिनी नायडू) तथा 1946 में मेरठ (अध्यक्ष-आचार्य जे.बी.कृपलानी) में।
- 1916 ई. में कांग्रेस और मुस्लिम लीग का अधिवेशन एक साथ लखनऊ में सम्पन्न हुआ था। इसी सम्मेलन में प्रसिद्ध 'कांग्रेस-लीग समझौता' हुआ था। कांग्रेस के इस अधिवेशन की अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी।
- नवंबर, 1928 में 'साइमन कमीशन' का लखनऊ में बहिष्कार किया गया था। इसका नेतृत्व पं. जवाहरलाल नेहरू ने किया था।
- 1918 में गौरीशंकर मिश्र इंद्रनारायण द्विवेदी तथा मालवीय ने किसानसभा का गठन किया था।
- सन् 1923 में चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने इलाहाबाद में स्वराज पार्टी की स्थापना की थी।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का प्रथम सम्मेलन पेरियार की अध्यक्षता में दिसंबर, 1925 में कानपुर में हुआ था।
- संयुक्त प्रांत में लखनऊ के समीपवर्ती क्षेत्र में सन् 1920-22 के मध्य किसानों के बीच चले 'एका आंदोलन' का नेतृत्व मदारी पासी नामक किसान ने किया था।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गांधीजी को पूना के आगा खां महल में तथा जवाहरलाल नेहरू को इलाहाबाद की नैनी सेंट्रल जेल में बंदी बनाकर रखा गया था।
- 16 अगस्त, 1942 से संयुक्त प्रांत के बलिया में भारत छोड़ों आंदोलन के पक्ष में प्रबल जन संघर्ष छिड़ गया। परिणामस्वरूप चित्तू पांडेय के नेतृत्व में बलिया में एक 'राष्ट्रीय सरकार' का गठन किया गया।

PARAMOUNT IAS Mission: A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE FOREVER ABOVE ESTD 2005

HEAD OFFICE: 872, GROUND FLOOR (NEAR BATRA CINEMA), DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009
FOR ENQUIRY CONTACT US: 7900000111, 7900000222, 7900000333
■ www.paramountias.in ■ enquiry@paramountias.com

IAS PCS

FOREVER ABOVE
ESTD. 2005

PARAMOUNT Mission IAS

A SEGMENT OF PARAMOUNT LEAGUE

IAS-2019

सामान्य अध्ययन

फाउन्डेशन बैच

निःशुल्क कार्यशाला के साथ बैच प्रारम्भ



9 जुलाई

प्रातः 10 बजे

श्रद्धांजलि स्कीम के तहत सभी छात्रों के लिए फीस में छूट

79000-00111